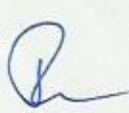


आदेश पत्रक - ता०.....से.....तक
जिला....., सं०....., सन् १६.....
केस का प्रकार.....

<p>आदेश की क्रम संख्या कीस तारीख १</p>	<p>आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २</p>	<p>आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे में टिप्पणी, तारीख-सहित ३</p>
	<p style="text-align: center;">न्यायालय आयुक्त कोशी प्रमंडल, सहरसा</p> <p style="text-align: center;">भूमि विवाद अपील वाद संख्या: 357/2012</p> <p style="text-align: center;">राम किसुन दास एवं अन्य — अपीलार्थीगण वनाम राज्य एवं अन्य — रेस्पोंडेन्ट्स</p> <p style="text-align: center;">--:आदे शः--</p> <p>प्रस्तुत अपील वाद अपीलार्थी रामकिसुन दास द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्ता, वीरपुर द्वारा पारित आदेश दिनांक: 10.07.2012 ई० अन्दर भूमि विवाद वाद संख्या: 37/12 के विरुद्ध खिलाफ रेस्पोंडेन्ट्स के इस न्यायालय में दायर किया गया है।</p> <p>वाद पुकारा गया। उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना एवं अभिलेख पर रक्षित कागजात का अवलोकन किया।</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता यह भी कथन करते हैं निम्न न्यायालय द्वारा पारित आदेश में यह उल्लेख किया गया है कि 14 कड्डा 13 भूमि के निश्चत स्व० भूटकून दास के नाम से जमाबंदी संख्या: 1095 चलती है जो कि दिनांक: 28.04.2011 को दुःखी बिरजी के द्वारा अपीलार्थी के दादा के नामे क्रियान्वित निबंधित केवाला से भी स्पष्ट होगा। Hindu Succession Act, 1956 एवं संशोधित अधिनियम के अनुसार उक्त भूमि पर स्व० भूटकून दास के सभी पुत्रों एवं उनकी विधवा स्त्री का हक वा दखल कायम हुआ। संशोधित अधिनियम के अनुसार उक्त भूटकून दास की पुत्रियाँ भी अपने भाईयों के साथ बराबर हिस्सेदार होना बतलाते हैं।</p> <p>अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि सम्मिलित हिन्दु संपत्ति में हिन्दु महिला के संपत्ति पर अधिकार के अनुसार हिन्दु परिवार के विधवा स्त्री का भी संपत्ति पर बराबर का अधिकार है वो इस स्थिति में चिचाय दास के सबसे बड़े पुत्र द्वारा रेस्पोंडेन्ट द्वितीय पक्ष के नाम अपने हक हिस्से से ज्यादा की भूमि के निश्चत निबंधित केवाला क्रियान्वित किया गया है यहाँ तक की उस भूमि को भी उनके द्वारा बेच दिया गया है जिसपर अपीलार्थी का आवासीय मकान है एवं जिसपर स्व० चिचाय दास की सभी चार पुत्रियाँ एवं उनकी विधवा बराबर की हिस्सेदार हैं। निम्न न्यायालय द्वारा केवल किसन दास जो कि स्व० चिचाय दास के सबसे बड़े पुत्र हैं के</p>	

द्वारा क्रियान्वित केवाला संख्या: 3240 दिनांक: 09.07.08 के आधार पर ही आदेश पारित किया गया है जो कि न्यायोचित प्रतीत नहीं होता है।

दूसरी ओर रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता बहस के क्रम में कथन करते हैं कि रेस्पोंडेन्ट द्वारा मौजा- भवानीपुर,, थाना-प्रतापगंज, जिला-सुपौल, थाना नं०-151, तौजी नं०-3885 अंतर्गत खाता सं०-335/2011 (नया), खेसरा सं०-2551 (पु०), 7153 नया, रकबा- 1 कट्टा जिसकी चौहद्दी उत्तर-ईट सोलिंग सड़क, दक्षिण-निज, पुरब- रेसम दास एवं पश्चिम- निज भूमि है को दिनांक: 09.07.2008 को कुल निर्धारित जरसम्मान की राशि बिक्रीकर्ता को अदाय कर भूमि क्रय किया गया तदोपरान्त बिहार सरकार सिरिस्ते में रेस्पोंडेन्ट के नाम से कुल रकबा- 1 कट्टा खरीदगी भूमि के निश्चत जमाबंदी संख्या: 3597 कायम हुआ। जमाबंदी के आधार पर रेस्पोंडेन्ट द्वारा रेंट बील का अद्यतन भुगतान किया जाता रहा है।

रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि पुराना खाता संख्या: 335, एवं पुराना खेसरा संख्या: 2551 का कुल रकबा- 16 कट्टा भूमि भूटकुन दास की भूमि थी, जो अपने पीछे अपने पुत्र क्रमशः चिचाय दास एवं राम प्रसाद दास को छोड़कर स्वर्गवासी हो गये। दोनों पुत्रों को पुराना खाता संख्या: 335, पुराना खेसरा संख्या: 2551 की भूमि में प्रत्येक को 8 कट्टा भूमि आपुसी बंटवारे में प्राप्त हुआ जिस पर दोनों भाई हकदार वो दखलकार हुए बतलाते हैं।

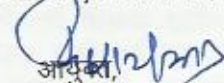
रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता यह भी कथन करते हैं कि राम प्रसाद साह ने अपने जीवित रहते हुए ही एक लड़के सिया दास को गोद लिया जो राम प्रसाद की भूमि पर दखल प्राप्त करना बतलाते हैं।

रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि चिचाय दास अपने तीन पुत्र क्रमशः किसन दास, शिव चरण दास एवं रामकिसुन दास को पीछे छोड़ स्वर्गवासी हो गये। चिचाय दास के मरने के बाद उनके पुत्रों ने 8 कट्टा भूमि का आपुसी बंटवारा कर लिया गया इस प्रकार प्रत्येक भाई के हिस्से में कुल 2 कट्टा 13.1/4 धूर भूमि आई और वे अपने-अपने हिस्से पर शांतिपूर्वक रूप से हकदार वो दखलकार हुए। स्व० चिचाय दास के पुत्र किसुन दास द्वारा रेस्पोंडेन्ट संख्या-2 के हाथ 01 कट्टा भूमि को बिक्री कर खरीदगी जमीन पर क्रेता को दखल दिला देना बतलाते हैं।

रेस्पोंडेन्ट के विज्ञ अधिवक्ता आगे यह भी कथन करते हैं कि अपीलार्थी द्वारा निम्नन्यायालय में यह कथन किया गया है कि खेसरा 2551 का कुल रकबा केवल 14 कट्टा 13 धूर है, यदि इसे सही माना जाय तो पुराना खेसरा संख्या 2551 में से चिचाय दास को 7 कट्टा 6.1/2 धूर भूमि प्राप्त करते इसी प्रकार उनके भाई राम प्रसाद दास को भी 7 कट्टा 6.1/2 धूर भूमि प्राप्त होती तब चिचाय दास के प्रत्येक पुत्र के हक एवं हिस्से में 1 कट्टा से अधिक भूमि होती है। अतएवं किसन दास द्वारा अपने हक हिस्से के मुताबिक ही भूमि का बिक्री किया गया है। इसलिए उक्त केवाला दस्तावेज सही एवं वैधानिक है यदि अपीलार्थी को केवल रेस्पोंडेन्ट संख्या 2 के केवाला दस्तावेज पर ही आपत्ति थी, तो उन्हें सक्षम न्यायालय में टाईटिल सूट दायर करना चाहिए था बतलाते हैं।

उभय पक्षों के विज्ञ अधिवक्ताओं को सुना तथा अभिलेख पर रक्षित कागजात का सुक्ष्म अवलोकन किया पाया कि निम्न न्यायालय द्वारा मामले की विस्तृत एवं सम्यक विवेचना करते हुए न्यायाचित आदेश पारित किया गया है। इसमें किसी प्रकार का हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नहीं होता है। अस्तु अपील अस्वीकृत। इसी के साथ वाद निस्तारित किया जाता है।

लेखापिन्न एवं संशोधित।


आयुक्त,
कोशी प्रमंडल, सहरसा


आयुक्त,
कोशी प्रमंडल, सहरसा